
MS. WILKINSON CALLED ME NEPHEW
BLADEFREGA

मिस विल्किंसन ने मुझे भतीजा कहा

THE FAMILY · 12

आज एक गर्म रविवार है, 23 अगस्त 2026, बहुत-से दूसरे रविवारों जैसा।

झटपट दोपहर का खाना कोई रियायत नहीं, बल्कि एक रस्म है। दोपहर का छोटा-सा आराम एक अपवाद है, जिसकी इजाज़त सिर्फ़ इसलिए दी गई है ताकि एक अप्रत्याशित घटना के बाद सुबह के डोपामाइन के असामान्य रूप से ऊँचे उत्पादन का स्तर सामान्य हो सके: आज बिंग ने मेरी माँ, जिलेट, से जुड़ी एक खोज के लिए मेरे एक पेज को वेब पर पहले स्थान पर रखा।

दूसरे स्थान से मेरे नाना देख रहे हैं, और मुस्कुरा रहे हैं।

वे नाराज़ नहीं लगते।

आज मुझे यह भी पता चला कि किंग कैंप जिलेट 9 जुलाई 1932 को इस दुनिया से विदा हुए थे।

तारीख़ पढ़ते ही मैं लगभग अपनी कुर्सी से उछल पड़ा।

मेरा अपना प्रोजेक्ट, gillettenarrative.com, 9 जून 2026 को जन्मा था।

उनकी मौत के चौरानवे साल बाद।

और, ख़ुद से किए गए मेरे समझौतों के मुताबिक़, 2058 में मेरी अपनी तय विदाई से तैंतीस साल पहले।

जब तारीख़ें एक-दूसरे के क़रीब आने लगती हैं, जब वे अप्रत्याशित सटीकता से आपस में बैठने लगती हैं, तो यह मानने का मन करता है कि शायद कोई और एल्गोरिद्म काम कर रहा है—ऐसा, जिसकी शक्ल उन एल्गोरिद्मों से बहुत कम मेल खाती है जिनके हम आदी हो चुके हैं।

ऐसे पलों में हमेशा की तरह, अंग्रेज़ी भाषा का जैज़ मेरे साथ है।

यही एकमात्र संगीत है जिसे मेरा मन अब सहज रूप से ग्रहण करता है, जब से मेरे परिवार के गिटार और मैंडोलिन प्रकृति के साधारण नियमों के चलते ख़ामोश

हो गए हैं।

फिर मैं अपना ईमेल खोलता हूँ।

एक तीखा वार सीधे दिल पर आकर लगता है।

सामंथा लंदन से लिखती है।

वह मिस विल्किंसन की पोती है।

मेरी मैगी आंटी।

क्रॉस की हुई तलवारों वाली महिला।

वह महिला, जिन्होंने कुछ ही समय पहले, अपने पूरे परिवार के सामने, मुझे भतीजा कहा था।

उसका संदेश सीधा-सा है।

मिस मैगी विल्किंसन का निधन हो गया है।

उनकी अपनी इच्छा पर, क्योंकि वे मुझे इतनी अच्छी तरह जानती थीं कि मेरी प्रतिक्रिया पहले ही भाँप सकती थीं, यह ख़बर उन्हें दफ़नाए जाने के बाद ही दी गई।

हम अंग्रेज़ हैं।

एक आँसू अपनी जगह बना लेता है।

मौत कभी कोई सुंदर चीज़ नहीं होती।

वह बस ऐसी चीज़ है जिसकी आप कभी पूरी तरह उम्मीद नहीं करते।

ज़िंदगी में जितनी औरतों से मैं मिला हूँ, उनमें इस मुँहबोली आंटी का हिस्सा बस एक छोटा-सा अध्याय था।

फिर भी उनकी भूमिका बेहद अहम थी।

उन्होंने मुझे यह समझने में मदद की कि कुलीनता सिर्फ़ उपाधियों, कुल-चिह्नों या विरासत में मिले विशेषाधिकारों में ही नहीं होती।

वह तौर-तरीक़ों में होती है।

वह बर्ताव में होती है।

वह उस गुण में होती है जिसे अंग्रेज़ी बोलने वाले अक्सर अप्लॉम कहते हैं।

इसके लिए एक ज़्यादा सीधा शब्द है।

सलीक़ा।

मैं यह चिट्ठी उन्हें लिख रहा हूँ।

उनके परिवार के लिए।

अपने लिए।

हर उस पाठक के लिए जो शायद एक दिन यहाँ पहुँचे।

और मैं एक ऐसे वाक्य से शुरू करता हूँ जो मुझे ज़बानी याद है:

हम जो हैं, उन लोगों की वजह से हैं जिनसे हम मिलते हैं, और यह हमसे कोई नहीं छीन सकता।

चिकित्सा साहित्य अक्सर उस अधिकार का दुरुपयोग करता है जो निश्चितता चाहने वाले मरीज़ उसे ख़ुशी-ख़ुशी सौंप देते हैं।

वह अक्सर हमें वह बताता है जो सुविधाजनक है।

कम ही वह, जो ज़रूरी है।

कहते हैं कि जन्म से पाँच साल की उम्र तक बच्चों के पास यादें नहीं होतीं।

कि वे उन्हें सहेज नहीं पाते, क्योंकि ज़रूरी संज्ञानात्मक संरचनाएँ अभी विकसित नहीं हुई होतीं।

उस सिद्धांत के मुताबिक़, हम सबको अपने भीतर पाँच साल का अँधेरा लिए फिरना चाहिए।

फिर भी मुझे अपनी माँ के थप्पड़ याद हैं।

मुझे अपने किंडरगार्टन की टीचरों के थप्पड़ याद हैं।

मुझे गिनती याद नहीं।

वे सम संख्या से शुरू होते और कभी विषम पर ख़त्म नहीं होते।

बड़े होकर जो चोटें हम खाते हैं, वे भी लगभग इसी तरह काम करती हैं।

कोई उन्हें गिनता नहीं।

याददाश्त उन्हें आँकड़ों की तरह संग्रह नहीं करती।

वह उन्हें चुपचाप आत्मा के भीतर जमा कर देती है।

और बरसों बाद, उन्हें लेखन के रूप में निकाल लेती है।

अलविदा, मैगी आंटी।

आपकी यात्रा अब जहाँ कहीं भी आगे बढ़े, वहाँ आपका स्वागत हो।

तलवारें उस दिन तक क्रॉस की हुई रहेंगी, जिस दिन आप उनके नीचे से गुज़रेंगी।

विदा।

आपका भतीजा।

फर्दिनांदो फ्रेगा
जिलेट मैन ⚔️